आइआइएम में फिनेटिक्स फाइनेंस क्लब में निवेश बैंकिंग और जोखिम विषय पर हुई कार्यशाला

निवेश का नया खेल, सोना बढ़ा तो शेयर गिरा

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

अखिल भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में फिनेटिक्स फाइनेंस क्लब के तत्वावधान में बैंकिंग और जोखिम पर कार्यशाला आयोजित की गई। मौके पर बतौर विशेषज्ञ इनवेस्टमेंट बैंकिंग एडवाइजरी सर्विसेज ग्रुप और इंडसइंड बैंक से आए प्रमोद कासट ने ग्लोबल फाइनेंशियल रिस्क और शेयर बाजार में निवेश पर छात्रों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि निवेश का खेल ऐसा है कि शेयर बाजार लुढ़क रहा है और सोना बढ़ता जा रहा है। निवेश के लिए शेयर बाजार को समझना होगा, तभी आप मैनेजमेंट की संभावनाओं को आगे बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि व्यवसायों के लिए एक बड़ा खतरा अमेरिका और चीन बनते जा रहे हैं, जिसमें चीन पर संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिबंधों के साथ ब्रेक्सिट 2.0 और फ्रांस में येलो वेस्ट आंदोलन शामिल हैं। कासट ने स्पष्ट किया कि इनसे दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं के लिए संभावित खतरा साबित हो सकता है। बौद्धिक संपदा को भी इससे खतरा पैदा हो सकता है।

आइआइएम में विशेष ने शेयर में निवेश और जीडीपी पर की चर्चा बताया डिजिटल के माध्यम से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार।

डिजिटल से देश की अर्थव्यवस्था होगी बेहतर : भारतीय अर्थव्यवस्था और इससे निर्मित होने वाले अवसरों पर केंद्रित है। कासट ने तर्क दिया कि हमें उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण, सैद्धांतिक रूप से सभी परिस्थितियों में 6% जीडीपी विकास प्राप्त होना चाहिए। उदाहरण स्वरूप देश में डिजिटल खपत के मामले में 155 वें स्थान से छलांग लगाकर प्रथम स्थान हासिल करने की बात कही जा रही है। यह भी उल्लेख किया कि अर्थव्यवस्था में छलांग का कराण है जियो ने -30 बिलियन का निवेश किया तभी यह संभव हुआ। यदि फोर जी नहीं आता तो डिजिटल मार्केट में न तो रोजगार आ पाता न ही अर्थव्यवस्था में सुधार।

सभी प्रक्रियाओं का हो डिजिटलाइजेशन

कासट ने कहा डिजिटलाइजेशन में भौतिक प्रक्रियाएं अधिक डिजिटलीकृत होती जा रही है, जैसे कि केवाईसी प्रक्रिया। एक अनुमान के अनुसार, देश के लगभग एक तिहाई भाग ने पूर्ण डिजिटलीकरण प्राप्त कर लिया है और इसका लगभग 49% जिओ के कारण संभव हुआ है। अब अंतिम चरण निवेश बैंकिंग पर केंद्रित होना चाहिए। बैंकिंग उद्योग के कार्य के रूप में बड़ी भूमिका निभाता है। उन्होंने अन्य संबंधित विषयों के साथ वित्तीय सेवाओं, वैश्विक बैंकिंग संरचना, निवेश बैंकिंग उत्पादों और सार्वभौमिक बैंकों पर स्पष्टीकरण और सामान्य जानकारी प्रदान की जानी चाहिए ताकि छोटे से बड़ा व्यक्ति बैंकिंग से जुड़ सके और अर्थव्यवस्था के नए नतीजे आए।

Naidunia, 1st Feb 2019, P.7